दैनिक सचएक्सप्रेस
सत्यम् सदैव सुन्दरम् ...

यूथ कलेक्शन

जल संरक्षण संगोष्ठी का सफल आयोजन

वर्षा जल संचयन के प्रति जन-जागरुकता बढ़ी

सच प्रतिनिधि || भोपाल

'जल ही जीवन है' इस मूल संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और जल संरक्षण को एक जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, पद्मावती संभाग भोपाल द्वारा एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कल रात्रि 8 बजे स्वाध्याय भवन, नेहरू नगर जैन मंदिर के सभागार में 'वाटर हार्वेस्टिंग एवं जल संरक्षण' विषय पर आयोजित हुआ। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने वर्षा जल संचयन, भू-जल संरक्षण तथा दैनिक जीवन में जल बचत के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जल की घटती उपलब्धता और भविष्य में उत्पन्न होने वाले जल संकट के प्रति जागरूक करना था। संगोष्ठी में उपस्थित विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और अनियंत्रित जल उपयोग के कारण भू-जल स्तर लगातार गिर रहा है। ऐसे में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) एक प्रभावी और सरल समाधान है, जिसे प्रत्येक घर, संस्था और समुदाय स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की संगठन मंत्री श्रीमती कुमुदिनी बरया जैन ने बताया कि इस प्रेरणादायक संगोष्ठी में समाज की 13 बहनों, पाठशाला के बच्चों तथा पुरुष वर्ग ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। संगोष्ठी में इंजीनियर देवेश बरया एवं वीरेंद्र जैन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार घरों की छतों से वर्षा जल को संग्रहित कर उसे पुनः भू-जल रिचार्ज के लिए उपयोग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने छोटे-छोटे वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जैसे लीकेज रोकना, अनावश्यक जल व्यय को कम करना और जल पुनर्चक्रण की तकनीक अपनाना। श्रीमती कुमुदिनी जैन ने अपने संबोधन में कहा, बूंद-बूंद का संचय ही जीवन का आधार है। जब हम जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल संसाधन सुरक्षित रख पाएंगे। उनके इस संदेश ने उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण के प्रति गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। यह पुरस्कार प्रांतीय संगठन मंत्री कुमुदिनी बरया जैन की ओर से दिए गए। वहीं सांत्वना पुरस्कार नेहरू नगर शाखा अध्यक्ष श्रीमती माधुरी-मनीष जैन द्वारा प्रदान किए गए। पाठशाला के बच्चों की सक्रिय भागीदारी को भी सराहा गया और उन्हें प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।संगोष्ठी में प्रांतीय चेयर पर्सन दीप्ति, नेमीनाथ शाखा अध्यक्ष श्रीमती चंदनबाला एवं विद्या गोयल ने भी अपनी उपस्थिति एवं सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को जल संरक्षण के संकल्प से जोड़ना था।अंत में सभी उपस्थित जनों ने जल संरक्षण और जल बचाने का संकल्प लिया। जल बचाएं, कल बचाएं के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का सफल एवं प्रेरणादायक समापन हुआ।

भोपाल में पर्यावरण संरक्षण पर काव्य गोष्ठी

50 साहित्यकार बहनों ने लिया वृक्षारोपण का संकल्प

सच प्रतिनिधि || भोपाल

हिन्दी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश द्वारा शिवाजी नगर स्थित विश्व संवाद केन्द्र के सभागार में 'पर्यावरण' विषय पर एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 साहित्यकार बहनों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण, जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। गोष्ठी के दौरान कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से घटते वन क्षेत्र, पर्यावरणीय असंतुलन और प्रकृति के प्रति मानवीय दायित्व जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कविताओं में आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण को समय की प्रमुख आवश्यकता बताया और साहित्यकारों से जनजागरण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिभागियों से अपनी आयु के बराबर वृक्ष आगामी दस वर्षों में लगाने का संकल्प लेने की अपील भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं पर्यावरणविद् सीमा वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल विचार नहीं, बल्कि जीवनशैली में बदलाव से ही संभव है। उन्होंने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पर्यावरणविद् श्री श्रीराम माहेश्वरी ने भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वृक्ष और प्राकृतिक संसाधन मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य हैं। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी जगदीश चन्द्रा ने वन एवं वन्यजीवन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आरएनटीयू में तीन दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

सच प्रतिनिधि || भोपाल

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल के सीवी रमन विज्ञान संचार केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी), भोपाल द्वारा प्रायोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता के संवर्धन तथा सतत विकास के प्रति विद्यार्थियों एवं समाज में जागरूकता उत्पन्न करना था। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया, जिनमें विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भोजपुर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान, गोकुला कुंडी में ग्रामीणों को पौधों के वितरण, जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अंतिम दिन विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान तथा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने भोजपुर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को निःशुल्क पौधों का वितरण कर वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों पौधे रोपित कर हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. पी. दुबे ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज वैश्विक आवश्यकता बन चुका है और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चेतना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। इस अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान सत्र में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत प्रसिद्ध पर्यावरणविद् शरद कुमरे ने पर्यावरण संरक्षण की वर्तमान चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा जनभागीदारी की आवश्यकता पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। प्रख्यात एंकर एवं कमेंटेटर विनय उपाध्याय ने युवाओं को संबोधित करते हुए पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनने तथा जन-जागरूकता अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय को 5.2 करोड़ का अनुसंधान अनुदान प्राप्त

सच प्रतिनिधि || भोपाल

प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 5.2 करोड़ रुपए से अधिक का बाह्य अनुसंधान अनुदान अर्जित कर वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने अनुसंधान उत्कृष्टता एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि कृषि, स्वास्थ्य सेवा, साइबर सुरक्षा, सतत विकास तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से संबंधित वास्तविक चुनौतियों के समाधान के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और उसे राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित करती है। अपने सशक्त अनुसंधान एवं विकास आधार को निरंतर आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के नवीन अनुसंधान-आधारित नवाचार जिनमें इन-बिल्ट पावर बैंक युक्त चार्जर, बहु-स्रोत हाइब्रिड पावर बैंक, ड्रॉप सुविधा से युक्त क्वाडकॉप्टर, बहुउद्देशीय डिटैचेबल बैकपैक तथा बहुउद्देशीय फ्लोर चेयर शामिल हैं। ये नवाचार दैनिक जीवन की उपयोगिता तथा सुगमता को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए गए हैं। परिवहन एवं सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने उन्नत एयरबैग तैनाती प्रणाली, स्मार्ट वाहन आंतरिक प्रणाली, ट्रैफिक लेन प्राथमिकता प्रणाली, घुसपैठ पहचान प्रणाली, संरचनात्मक दरार पहचान प्रणाली तथा स्मार्ट उपकरण नियंत्रण प्रणाली जैसी प्रौद्योगिकियाँ विकसित की हैं। मजबूत अनुसंधान-से-व्यवहार रूपांतरण संस्कृति को दर्शाते हुए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने छह डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त किए हैं, जबकि दस उपयोगिता पेटेंट आवेदन प्रकाशित हो चुके हैं और वर्तमान में परीक्षणाधीन हैं। ये उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता तथा सतत नवाचार प्रयासों को रेखांकित करती हैं। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विश्वविद्यालय की अनेक शोध अनुदान-समर्थित परियोजनाएँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सटीक कृषि समाधान, रोग निगरानी प्रणालियों, साइबर सुरक्षा ढाँचों, संचार प्रौद्योगिकियों तथा एयरोस्पेस नवाचारों के विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य फसल उत्पादकता में वृद्धि, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग, कीटनाशकों पर निर्भरता में कमी तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से किसानों की आय एवं आजीविका में सुधार करना है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय रोग निगरानी, डेटा-आधारित स्वास्थ्य प्रशासन तथा उन्नत निदान तकनीकों पर केंद्रित परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है, जिनका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना और स्वास्थ्य सेवाओं के परिणामों में सुधार लाना है। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय की अनुसंधान पहलें संचार प्रणालियों, एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों, अगली पीढ़ी की गतिशीलता, साइबर सुरक्षा तथा सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्रों में प्रगति के माध्यम से भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी सशक्त बना रही हैं।

लंका प्रीमियर लीग के प्रमोटर आईपीजी ग्रुप ने की नैस्डैक-लिस्टेड पार्टनर रणनीतिक फंडिंग की घोषणा

कोलंबो। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सीजन 10 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और उससे ठीक पहले लीग को बड़ा वित्तीय बढ़ावा मिला है। एलपीएल के प्रमोटर इनोवेटिव प्रोडक्शन ग्रुप एफजेड, एलएलसी (आईपीजी) को अमेरिका स्थित एक लिस्टेड कंपनी से मल्टी-मिलियन डॉलर की फंडिंग प्राप्त हुई है। आईपीजी ने फ्लैश स्पोर्ट्स एंड मीडिया इंक. (फ्लैश) के साथ अपना रणनीतिक ऑल-स्टॉक विलय पूरा कर लिया है, जिसके तहत एलपीएल सहित उसके टी20 लीगों के व्यावसायिक अधिकारों का पोर्टफोलियो नैस्डैक-लिस्टेड प्लेटफॉर्म यूग्रो के साथ जुड़ गया है। यह कदम आईपीजी और उसके द्वारा संचालित लीगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे वे बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए तैयार एक सार्वजनिक रूप से संचालित ढांचे का हिस्सा बन गए हैं। इस नई संस्थागत संरचना के समर्थन से आईपीजी अगले दो वर्षों में एलपीएल को और अधिक भव्य एवं बेहतर बनाने के लिए 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (20 मिलियन डॉलर) का निवेश करेगा। एलपीएल के लिए यह बदलाव अधिक संगठित और विकास-केंद्रित दौर की शुरुआत का संकेत है। हालांकि एलपीएल की इंटेलेक्चुअ प्रॉपर्टी का मालिकाना हक श्रीलंका क्रिकेट के पास रहेगा, लेकिन आईपीजी के पास लीग के विशेष व्यावसायिक और मीडिया अधिकार बने रहेंगे।

भोपाल में रेजोनेंस की नई शुरुआत, विद्यार्थियों को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक मार्गदर्शन

सच प्रतिनिधि || भोपाल

देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में से एक रेजोनेंस ने भोपाल में अपनी नई शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत की घोषणा की है। यह पहल विद्यार्थियों को जेईई, नीट, ओलंपियाड एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुभवी फैकल्टी और परिणाम-केंद्रित मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। रेजोनेंस के संस्थापक की दूरदर्शी सोच और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण ने संस्थान को देशभर में एक विश्वसनीय पहचान दिलाई है। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भोपाल केंद्र विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण पद्धति, व्यवस्थित अध्ययन सामग्री, नियमित मूल्यांकन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। इस मौके पर संस्थापक आरके वर्मा हमारा उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में सफल बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनाना है। भोपाल में रेजोनेंस की यह नई शुरुआत विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की तैयारी और बेहतर अवसर प्रदान करेगी। वहीं, भोपाल केंद्र के निदेशक वर्मा ने कहा,कि भोपाल प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का शहर है। हमारा प्रयास रहेगा कि प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत ध्यान, श्रेष्ठ शैक्षणिक वातावरण और सही मार्गदर्शन मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। रेजोनेंस की सिद्ध शिक्षण प्रणाली और अनुभवी टीम विद्यार्थियों की सफलता के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। रेजोनेंस भोपाल में जेईई (मेन एवं एडवांस्ड), नीट-यूजी, फाउंडेशन कोर्स, ओलंपियाड तथा विभिन्न स्कॉलरशिप परीक्षाओं के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। संस्थान का लक्ष्य विद्यार्थियों में मजबूत अवधारणात्मक समझ, विश्लेषणात्मक सोच और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए आवश्यक आत्मविश्वास विकसित करना है।

सेंटपॉल स्कूल में चार दिवसीय शैक्षिक सेमिनार संपन्न

सच प्रतिनिधि || भोपाल

सेंटपॉल स्कूल की प्रबंधन समिति द्वारा चार दिवसीय शैक्षिक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति, आधुनिक शिक्षण तकनीकों और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे से अवगत कराते हुए उनकी शैक्षणिक दक्षता को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) विषय पर ऋषिता गुप्ता और शिल्पी भट्टाचार्य ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रमुख प्रावधानों और विद्यालयी शिक्षा में उसके प्रभावों पर प्रकाश डाला। लर्निंग आउटकम एवं पेडागॉज विषय पर डॉ. संदेश मिश्रा और अनीता बाजपेयी ने प्रभावशाली सत्रों का संचालन किया। उन्होंने शिक्षण को अधिक छात्र-केंद्रित, परिणामोन्मुख और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की। सेमिनार में स्टोरीटेलिंग ऐज पेडागॉजी विषय पर भावना चौधरी और मोना आनंद ने अपने विचार साझा किए।

उन्होंने बताया कि कहानी आधारित शिक्षण विद्यार्थियों की रचनात्मकता, भाषा कौशल और विषय की समझ को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है। वहीं राजप्रिया और प्रीति खन्ना ने स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023(एनसीएफ-एसई 2023) पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने नई पाठ्यचर्या के उद्देश्यों, शिक्षण नवाचारों और विद्यार्थियों के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में डॉ. संगीता यादव ने शिक्षा से शिक्षित बनाएं विषय पर विशेष सत्र लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, सृजनात्मकता और जीवन कौशल विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यालयी वातावरण में बाल सुरक्षा, संवेदनशीलता और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया। चार दिवसीय इस सेमिनार में शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरण: नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंड: आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभ: रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथि: 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

ईस्टमैन पॉवरअप एडुस्किल स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2026-27

- विवरण: ईस्टमैन पॉवरअप एडुस्किल स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2026-27, ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड (श्ररूक्क) की एक पहल है, जिसके लिए आवेदन जारी हैं। यह कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के इंजीनियरिंग, डिप्लोमा और प्रबंधन छात्रों को उद्योग से संबंधित सर्टिफिकेशन पाठ्यक्रम और रु 20,000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो पाठ्यक्रम पूरा होने पर उपलब्धि के आधार पर वितरित की जाती है।
- मानदंड: भारत में मान्यता प्राप्त सरकारी या निजी संस्थानों में फुल-टाइम बी.टेक, एम.टेक, एमबीए/पीजीडीएम या पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकित छात्र आवेदन के पात्र हैं।
- बी.टेक के योग्य छात्र लेटरल एंट्री, तीसरे/चौथे वर्ष, या 2026 बैच के स्नातक छात्र आवेदन कर सकते हैं, जबकि एम.टेक/एमबीए/पीजीडीएम आवेदकों को दूसरे वर्ष में अध्ययनरत या 2026 बैच का स्नातक होना अनिवार्य है।
- आवेदकों को स्कॉलरशिप श्रेणी के अनुसार इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, सेल्स या मार्केटिंग जैसी संबंधित स्ट्रीम/विशेषज्ञताओं से होना चाहिए।
- न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या सीजीपीए 6.0+ होना आवश्यक है, कोई सक्रिय बैकलॉग या अनुशासनात्मक समस्या नहीं होनी चाहिए, और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन सर्टिफिकेशन पाठ्यक्रम पूरे करने के इच्छुक होने चाहिए।
- माता-पिता की वार्षिक आय ?6 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- बड्डी4स्टडी या ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- नोट: लड़कियों, दिव्यांग छात्रों, एकल-अभिभावक परिवारों के छात्रों, अनाथ छात्रों, तथा टियर-2 और टियर-3 शहरों के छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- इनाम/लाभ: चयनित उम्मीदवारों को चार स्वीकृत सर्टिफिकेशन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उपलब्धि के आधार पर रुपए 20,000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- अंतिम तिथि: 04-07-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/EPSP2
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/ static/images/scho-media/eastman-powerup-eduskill-scholarship-program-2026-271779712014.png